

COMBINED ISSUE

ISSN: 2229-5771



# *SAM NUBH TI*

**INTERNATIONAL PEER-REVIEWED RESEARCH JOURNAL**

*VOLUME: VIII NUMBER: XIV, JAN-JUNE 2017.*

JAGADGURU RAMBHADRACHARYA HANDICAPPED UNIVERSITY  
CHITRAKOOT, UTTAR PRADESH-210204

---

PHONE: 05198-224481, FAX: 05198-224293, WEB: [WWW.JRHU.COM](http://WWW.JRHU.COM)

## ABOUT THE CHANCELLOR

Padamvibhushan Jagadguru Rambhadracharya Ji, the life-long chancellor of Jagadguru Rambhadracharya Handicapped University, Chitrakoot, U.P (India), was born in 1950 at Jaunpur, Uttar Pradesh, India. Swami Ji completed his Bachelor & Master Degree in Sanskrit from Sampurnanand Sanskrit University, Varanasi, U.P (India). He was awarded Ph.D. for his illustrious work on Panini, a great grammarian of Sanskrit Language. He travelled widely across the nations to propagate Indian Culture and religion. He visited USA, Canada, England, Singapore, Mauritius, Indonesia, Fizi, Guyana etc. He was invited to speak in World Peace Summit at UNO. New York in the year 2000, Brilliant writer, author, extempore orator, composer and authority on Sanskrit Panini Grammar, Swami Ji's landmark contributions in the field of literature were recognized by Sahitya Academy Award of 2005 for his Mahakavya Bhargav Raghveeyam composed in Sanskrit language. He has also received President Award, Maharshi Badrayan Purushkar of the year 2004.

COMBINED ISSUE

ISSN: 2229-5771



# *SAM NUBH TI*

**INTERNATIONAL PEER-REVIEWED RESEARCH JOURNAL**

*VOLUME: VIII NUMBER: XIV, JAN-JUNE 2017.*

JAGADGURU RAMBHADRACHARYA HANDICAPPED UNIVERSITY  
CHITRAKOOT, UTTAR PRADESH-210204

---

PHONE: 05198-224481, FAX: 05198-224293, WEB: [WWW.JRHU.COM](http://WWW.JRHU.COM)

## **Editorial Advisory Board**

**Patron** : Prof. Yogesh Chandra Dubey

**Advisory Board:**

1. Prof. S.R.Singh Sengar
2. Prof. O.P. Dwivedi

**Chief Editor**

Prof. Kamta Prasad Tripathi

**Managing Editor:**

Prof. Girija Prasad Dubey

**Editor:**

Dr. Mahendra kumar Upadhyay

**Co-Editor**

1. Sri Nihar Ranjan Mishra
2. Dr. Vinod kumar Mishra

**Asst. Editor**

Dr. Sanjay Kumar Nayak

**Editorial Board**

1. Dr. Arun kumar Shukla
2. Dr. Rakesh kumar Tiwari
3. Dr. Sunita Srivastava
4. Sri Vishwesh Dubey
5. Km. Amita Mishra
6. Dr. Pratima kumari Shukla
7. Sri Ramji Verma
8. Dr. Shashi Kant Tripathi
9. Dr. Pramila Mishra
10. Sri Kumar Prodyot dubey
11. Dr. Pawan Kumar Tripathi

**Editorial Office:**

Research Publication Unit, J.R.H. University, Chitrakoot,  
Uttar Pradesh-210204, India

[www.jrhu.com](http://www.jrhu.com), email: [samanubhutijrhu@gmail.com](mailto:samanubhutijrhu@gmail.com)

Views expressed in the research paper/article/book review are individual's opinion of the concerned author only.

## dyi fr l nsk

ज्ञान मानवीय विकास का मूल स्रोत है। यदि दार्शनिक चिंतन के आधार पर ज्ञान का विप्लेषण करें तो इस तथ्य को सर्वमान्य रूप से स्वीकार किया गया है कि सम्यक ज्ञान की प्राप्ति ही मानव जीवन का अन्तिम उद्देश्य है। 'सम्यक ज्ञान' की इस अवस्था को जहाँ वह स्वयं को परमात्मा से एकाकार तथा समस्त दैहिक, दैविक व भौतिक समस्याओं को हल करने में सक्षम पाता है। तत्पश्चात् प्रारंभ होती है एक महान एवं सफल व्यक्तित्व के निर्माण की आधार षिला। ई सम्यक ज्ञान की प्राप्ति के सर्वोच्च उपादान के अन्तर्गत अनुसंधान को माना जाता है जिसकी सुव्यवस्थित व सुनियोजित प्रक्रिया का अनुसरण कर अध्येता षाष्वत सत्य के लक्ष्य की ओर उन्मुख होता है। वस्तुतः अनुसंधान की प्रणाली का बोध उच्च षिक्षा के क्षेत्र में ही नहीं बल्कि षिक्षा के सभी स्तरों पर कराया जाना चाहिये ताकि ज्ञान के संप्लेषण व विप्लेषण के आधार पर षिक्षुओं के मस्तिष्क को उद्वेलित व परिष्कृत किया जा सके।

विष्वविद्यालय द्वारा नियमित प्रकाषित अन्तर्राष्ट्रीय षोध पत्रिका समानुभूति प्रारंभ से ही अनुसंधान अध्येताओं व षिक्षाविदों के विचार मंथन के सेतु के रूप में स्थापित हुई है तथापि इसी अनुक्रम में मै समानुभूति के इस नवीन अंक के सफल प्रकाषण हेतुषुभकामना प्रेषित करता हूँ।

i k0 ; kxs k plnz nps  
dyi fr

## I ekukfir%

vud0. kZ kskki . kZ qiki kJ HkkfUorkj  
I eh{kdkfyolneat qat ukfhkufUmrkA  
epuhnezU; jkehknrf' kdkupEi ; k]  
I ekukfir#Rl oa ruksq 'kedkhtdkkeAA

विविध वर्णी

षोधपत्र—रूपी

पुष्पों के

सौरभ से

समन्वित

समीक्षकरूपी मधुपवृन्द

के गुंजन से

अभिनन्दित

मुनीन्दवृन्द—वन्द्य

जगद्गुरु श्रीरामभद्राचार्य की

अनुकम्पा से

यह (अन्ताराष्ट्रिय) समानुभूति षोधपत्रिका

मनीषिवृन्द के

आनन्दोत्सव

का

विस्तार करे।

## CONTENTS

| Sr.No | Topic  | Author                              | Page No. |
|-------|--|-------------------------------------|----------|
| 1     | भार्गवराघवीये भारतीयसंस्कृतेः समुन्मेषः  | आचार्य कामता प्रसाद त्रिपाठी        | 1-7      |
| 2     | परिवार नियोजन के प्रति ग्रामीण महिलाओं में जागरूकता  | डॉ० राजेश त्रिपाठी एवं विभा दीक्षित | 8-12     |
| 3     | बाणभट्ट  | डॉ. प्रज्ञा मिश्रा,                 | 13-16    |
| 4     | उदय प्रकाश की कहानियों में संवेदना के स्वर ('टेपचू' कहानी के विशेष संदर्भ में)                                   | डॉ० कुसुम सिंह एवं प्रतिमा सिंह     | 17-21    |
| 5     | बी०एड० प्रशिक्षणार्थियों के पर्यावरणीय ज्ञान एवं पर्यावरणीय शिक्षा के प्रति जागरूकता के मध्य सहसम्बन्ध का अध्ययन | डॉ० आशा शर्मा एवं जगदीश प्रसाद यादव | 22-25    |
| 6     | बुन्देलखण्ड में कृषि संकट  | डॉ० राजेश कुमार पाल                 | 26-29    |
| 7     | आज की आवश्यकता : सूचना संचार प्रौद्योगिकी  | दुर्गेश सिंह यादव                   | 30-34    |
| 8     | कामायनी महाकाव्य में नियतिवाद  | डॉ० अम्बिकेश त्रिपाठी               | 35-39    |
| 9     | स्वतंत्र भारत में स्त्री शिक्षा के विकास हेतु किये गये सरकारी प्रयास : एक अध्ययन                                 | यशवन्त सिंह पटेल                    | 40-47    |
| 10    | बालिका शिक्षा के प्रति अभिभावकों की जागरूकता   | दीपेश कुमार                         | 48-51    |
| 11    | श्रीमद्भागवत में छन्दों का विवेचन  | डॉ० बद्री नारायण मिश्र              | 52-55    |
| 12    | स्नातक स्तर पर अध्ययनरत् दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं का अध्ययन"                             | विश्वेश दुबे                        | 56-58    |
| 13    | हिन्दी नाटक विधा के विकास में भारतेन्दु जी का योगदान   | सोनल दुबे                           | 59-60    |
| 14    | प्राचीन राजतंत्र व्यवस्था में लोकतंत्र   | विजय कुमार                          | 61-63    |
| 15    | "झांसी जिले के प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के सम्प्रत्यय विकास का अध्ययन"                     | कु० अमिता मिश्रा                    | 64-66    |
| 16    | वर्तमान परिप्रक्ष्य मे महात्मा गाँधी के शैक्षिक विचारों की प्रासंगिकता   | ओमप्रकाश सिंह                       | 67-70    |
| 17    | भारतीय राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन में सुभाष चन्द्र बोस के उग्रवादी विचारों की भूमिका : एक अध्ययन                 | प्रशान्त मिश्रा                     | 71-76    |
| 18    | चित्रकूट जनपद के कक्षा 8 के विद्यार्थियों का जीव विज्ञान विषय के प्रति दृष्टिकोण का एक अध्ययन                    | प्रीती                              | 77-79    |

|    |   |  |         |
|----|---|--|---------|
| 19 | भारतीय समाज में नारी व दहेज के बदलते स्वरूप   | संजय सिंह चौहान                                      | 80-81   |
| 20 | चित्रकूट जिले में सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों के शालात्याग के कारणों का अध्ययन             | जितेन्द्र नाथ मिश्र                                  | 82-85   |
| 21 | चित्रकूट जनपद के ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाली बालिकाओं व महिलाओं की शिक्षा में आने वाली समस्याओं का अध्ययन | पूजा देवी  | 86-89   |
| 22 | इतिहास की अवधारणा एवं प्राचीन भारतीय इतिहास लेखन  | शिवप्रेम याज्ञिक                                     | 90-92   |
| 23 | भारत में प्रारम्भिक शिक्षा का इतिहास  | डॉ० आशा शर्मा एवं धर्मेन्द्र त्रिपाठी                | 93-96   |
| 24 | Corporate Social Responsibility for Sustainable and Systematic Development: India as a Case                 | Purushottam Singh, Ruchi Singh & Prof. R.C. Singh    | 97-105  |
| 25 | Privatisation of Education in India   | Dr. Saroj Gupta & Ram Bahadur Singh                  | 106-108 |
| 26 | Meaning of Life for a teacher in Modern India   | Nihar Ranjan Mishra                                  | 109-112 |
| 27 | Role of Information and Communication Technology in rural development                                       | Satish Kumar Mishra                                  | 113-117 |
| 28 | Women with Disabilities in Higher Education: Challenges and Issues  | Dr. Bharti Sharma & Reena Gupta                      | 118-127 |
| 29 | Emergence, Scope and Opportunity of Haat-Bazaar to Mitigate Migration from Villages                         | Peeyush Ranjan Upadhyay & Dr. Devendra Prasad Pandey | 128-133 |
| 30 | Consumer Buying Behaviour and factors Affecting consumer choice- A review of literature approach            | Pradeep Kumar Mishra & Nand Lal Mishra               | 134-147 |
| 31 | Benami property in India: Present status and future challenges  | Ravi Prakash Shukla & Dr. Brajesh Kumar Upadhyay     | 148-153 |



I Eikndh;

m"ko eat gkfl uh txRrekfoukf" kuh  
I eRojf"edkf"kuh euq; rkfodkfl uh  
I fjr~I eaf"kyi uho fl f) nk ; "kfLouh  
I ekuHkr: ftzk pdkLrq fo"oHkr; s

bZ oj dh vgrdh vuqEik l s txn-xq jkeHknkpk; Z fodyka fo' ofo | ky; 1/4m0i 0 1/2 dh  
vUrjkZVh; 'kks'k if=dk l ekuHkr dk 14oka vad izdkf'kr gks x; k gA vuq'kku dk egRo  
l ofofnr gA v | ru fo'o dk vk'p; pfdR dj nus okyk fodkl fujarj 'kks'k dk gh ifj.kke  
gA l Eifr mPp f'k{kk vumku vk; ks }jkj mPp f'k{kk , oa 'kks'k dk; Z dh l E; d fuLiUurk ea  
gh fo' ofo | ky; ks rFkk egkfo | ky; ks dh l kfkZdrk l fuf'pr dh xbl gA euh"ktuka ds euu]  
fparu , oa vuq'khyu l s l emHkr vkys[k dks izdk'kukFkZ 'kks'k if=dk dh egrh vko'; drk gksrh  
gA 'kks'k if=dkvks dk v/; ; u djds 'kks'kkfFkZ; ks rFkk fo}kuka dks 'kks'ki = fy[kus dh ij .kk  
i klr gksrh gA uohu Kkuijd 'kks'k ys[kka dk egRo fufobkn : lk l s eku; jgk gA 'kks'k l s  
vKkr dk Kku] vYi Kkr dk foLrkj vksj Kku dk ifj"dkj l ef"V ds fy, eaxy fo/kk; d gA  
0; f"VtU; 'kks'k ys[k l ef"V dh vka[k [kksy nrk gA 'kks'k if=dk; a tMrk dh tdmu l s  
fudky dj l f'kf{kr ; pdks dks dN u; k iz Ru djus ds fy, i kRl kfgr djrh gA ; g 'kks'k  
if=dk Hkh fo}rtuka ds 'kks'kkRed vkys[kks l s xksj oe; h gksrh jgh gS vksj uohu v/; ; u'khy  
'kks'kkfFkZ; ka dks Hkh vHkh"V vol j mi yC/k djrh jgh gA fo'ohkj ds 'kks'kj r fo}kuka l s l kuj'k  
fuonu gS fd os di ki wad vi us uohure 'kks'kd; Z dks izdk'kukFkZ i f"kr djds bl vUrjkZVh;  
'kks'k if=dk dks l kfkZdrk inku dja

if=dk ds iLrqr vad ea dgy 23 'kks'ki = fgluh ea vksj 8 'kks'k ys[k vaxstH Hkk"kk ea  
izdkf'kr gA bl izdkj dgy 31 'kks'ki = gA ; | fi euhf"k; ks ds elr0; dks i wZ vkys[k i <us ds  
ckn gh vRel kr~fd; k tk l drk gA rFkfi i kBdka dks fo"k; kled[k djus ds fy, bl if=dk  
ea x'ghr vkys[kka dh l f{klr ppkZ dh tk jgh gA

iLrqr vad ea iFker% Hkkxbjk?koh; s Hkkj rh; l d'r% l epe's'k% bl vkys[k ds vUrkr i kO  
dkerk iz kn f=i kBh us iz lu Hkk"kk ea fo'ofgrdkfj .kh ekuorko/kLuh l ukrh Hkkj rh; l dfr  
dk l kjxfHkr i R; kykpu iLrqr fd; k gA

MkD jktsk f=i kBh , oa foHkk nhf{kr us bifjokj fu; kstu ds ifr xkeh.k efgykva ea  
tkx#drkB dh vko'; drk dk ifriknu djrs gq rnfkZ dfri ; mik; ks ds ifr /; ku vkd"V  
fd; k gA

MkD izk feJk us l Ei wZ l kfgR; ea l cl s J'SB x | dkj ck.kHkV-V dh fo'ks'krkvka ij  
izdk'k Mkyk gA

MkD dq e fl g , oa ifrek fl g us mn; izdk'k dh dgkfu; ka ea fo'ks'kdj "Vi p'w ea  
l onuk ds Lojka dk l kjxfHkr l eh{k.k fd; k gA

MkD vk'kk 'kekZ vksj txnh'k iz kn ; kno us i ; kbj .kh; Kku , oa i ; kbj .kh; f'k{kk ds  
ifr tkx#drk dks ikdfrd vl rnyu jkdus ea i je l gk; d ekuk gA

MkD jktsk dekj iky us \*cHnsy[k.M ea df"k l dV\* dk mYys[k djrs gq df"k dk; Z ea  
vkus okyh l eL; kvka ij nf"Vikr djrs gq muds l ek/kku gsrq dfri ; ijke'k iz nku fd; k gA

nxz'k fl g ; kno us l puk l pkj i ks | kSxdh % vkt dh vko'; drk gS bl rF; dk  
fofHku mnkgj .kka ds ek/; e l s i ekf.kr djus dk iz kl fd; k gA

MkD vfEcds k f=i kBh us \*dkek; uh egkd0; ea fu; frokn\* 'kh"kd l s t; 'kadj iz kn dh  
fu; frokfnuh Hkkouk dk mi ; kxh vuq'khyu fd; k gA

; 'kollr fl g iVsy ds vkys[k \*Lora= Hkkjr ea L=h f'k{kk ds fodkl gsrq fd; s x; s  
l jdkjh iz kl % , d v/; ; u\* ea v | kof/k L=h f'k{kk ds fodkl gsrq fd; s x; s l jdkjh iz kl ks  
dk l adyu , oa l eh{k.k fd; k x; k gA

nhi s'k dækj us ckydk f'k{kk ds ifr vfHkHkkodks dh tkx#drk dks egRoi w kz crk; k gA  
Øe'k% ckydkvks ds f'k{kk ea gks jgh of) dk mYys[k fd; k gA

MkD cnh ukjk; .k feJ us JhenHkkxor ea iz; Ør vuqVq } blnøtk] mi ðnøtk] mi tkfr  
oðkLFk vkj cl UrfrYdk vkfn Nnks dk m)j.k l fgr fu#i.k fd; k gA

fo'os'k nps us Lukrd Lrj ij v/; ; ujr nf"Vckf/kr fo|kFFkz; ks dks feyus okyh  
l fo/kkvs dk vuqkhyu fd; k gA nf"Vdks k eki uh ds ek/; e l s fu"d"Kz rd igpus dk iz Ru  
fd; k gA

l kuy nps us \*fglnh ukVd&fo/kk ds fodkl ea Hkkjrdng th dk ; ksnku\* bl 'kh"kd ds  
ek/; e l s Li"V fd; k gS fd u; s ukV; vkansyu dh fn'kk; a Hkkjrdng th l s gh vkykdr gks  
l dh gA

fo't; dækj ds vkys[k 'ikphu jktra= 0; oLFk ea ykdra= ea 'kh"kd ds vuq lk Hkkjr  
ea jktra= gksr gq Hkh tura= dh l Rrk , oa egRrk fo|eku Fkh] bl rF; dks fl ) djus dk  
iz; kl fd; k gA

dq vferk feJk us ^>kd h ftys ds ikFkfed fo|ky; ka ea v/; ; ujr fo|kFFkz; ka ds  
l Ei R; ; fodkl dk v/; ; u^ 'kh"kd l s ; knfPNd fof/k }kjk dfri ; Nk=&Nk=kvka dk i Fke]  
f}rh; , oa rrrh; ds ikap ckyd rFk ikap ckydkvks dks U; kn'kz ds : lk ea yd j vkdMks ds  
ek/; e l s Li"V fd; k gS fd xkeh.k fo|kFFkz; ks ds l Ei R; ; fodkl dk ek/; 41-63 gA tcf  
'kgjh fo|ky; ds fo|kFFkz; ks ds l Ei R; ; fodkl dk ek/; 40-73 gA

vke izdk'k fl g us \*Økræku ifjiæ; es egkRek xk/kh ds 'kS{k d fopjka dh i kl fxdrk\*  
bl vkys[k ds ek/; e l s f'k{kk ds l Ecl/k ea egkRek xk/kh ds elr0; ks dks vkt ds fy, Hkh  
i kl fxd crk; k gA

izkkar feJk us \*Hkkjrh; jk"Vh; Lok/khurk vkansyu ea l qkk"K plnz ckd ds mxðknh  
fopjka dh Hkfedk % , d v/; ; u\* ds vlrxr egku Økfrdkjh l qkk"K plnz ckd ds fopjks , oa  
l gl Hkjs dk; k dk fu: i .k fd; k gA

i hrh us fp=dW tuin ds v"Ve d{kh; fo|kFFkz; ks dk thofokku ds ifr nf"Vdks k  
fu: fi r fd; k gA

l at; fl g pksku us Hkkjrh; l ekt ea ukjh o ngst ds cnysr Lo: lk foopu fd; k gA  
ftrnz ukFk feJ us fp=dW ftys ds l jdkjh ikFkfed fo|ky; ka ea fo|kFFkz; ks ds  
'kkykR; kx ds dkj .kka ij nf"Vikr fd; k gA

i wt k us fp=dW tuin ds xkeh.k {ks= ea jgus okyh ckydkvks o efgykvs dh f'k{kk ea  
vkus okyh l eL; kvka dk v/; ; u fd; k gA

f'koizæ ; kfKd us bfrgkl dh vo/kkj .kk , oa ikphu Hkkjrh; bfrgkl ys[ku dk  
i ; kkykpu fd; k gA

/kedlnz f=i k Bh us Hkkjr ea ikjfeHkd f'k{kk ds bfrgkl dk foopu fd; k gA

vkay Hkk"kk ds 'kks'k ys[kka ea ftu f'k{k dka , oa 'kks'kkFFkz; ka us if=dk dks cgqk; keh  
cukus ea ; ksnku fn; k gS mudk l f{klr fogakoyksdu bl izdkj gA

i # "kkRre fl g vkj vU; }kjk iLrq 'kks'k i= m|ksx txr dks , d k mRrjnkf; Ro  
fuogtu djus ds fy, ij .kkLin fl ) gksk ftlls l keftd dk; k l s jk"V<sup>a</sup> dk fodkl  
l fuf'pr fd; k tk l dA

MkD l jkst xdrk , oa jke cgknj fl g }kjk iLrq 'kks'k i= Privatisation of  
Education in India ea f'k{kk ds xqkkRed l qkkj grq futhdj.k dk l eodr v/; ; u fd; k x; k  
gA

MkD fugkj jatu feJ us vi us 'kks'k Meaning of Life for a teacher in Modern India  
ea Hkkjrh; vkn'kz , oa ekud ds vk/kkj ij f'k{k dks ifjHkkf"kr fd; k gS , oe~vk/kfud l E; rk  
ea ml dh egRoi w kz Hkfedk dh vko' ; drk ij nf"Vikr fd; k gA

I rh'k d'ekj feJk us xkeh.k fodkl ds fy; s l'puk iks|kfxdh dh mikns rk ij mi; kxh v/; ; u Role of Information and Communication Technology in Rural Development 'kh'kd ea fd; k gA

Women with Disabilities in Higher Education: Challenges and Issues ds vUr'kr MKW Hkkjrh 'kekz , oa jhuk x'rk us fn0; kx efgykvs dks mPp f'k{kk ea vkus okyh l eL; kvks dks fu#fir djrsgq vko'; d l ek/kkukFkz l p'ko fn; k gA

ih; wk jatu mik/; k; , oa n'vz izl kn ik.Ms us vius 'kks'k i = Emergence, Scope and Opportunity of Haat-Bazaar to Mitigate Migration from Villages 'kh'kd ds vUr'kr ns'k ea 0; klr cjkstxkjh , oa iyk; u dh Hk; kog l eL; k l s futkr ikus ds fy, ; xku'pny xkeh.k gkV cktkj dks dkjxj vL= ds : lk ea ns[krs gq gkV cktkj ds iR; d igym ij l el kef; d , oa rF; ijd rdkz ds l kFk izdk'k Mkydj gkV cktkj dh izl f'xdrk dh 0; k[; k dh gA

inhi d'ekj feJk , oa ulln yky feJk us vius 'kks'k i = Consumer Buying Behaviour and factors Affecting consumer choice- A review of literature approach 'kh'kd vUr'kr 'kgjh , oa xkeh.k mi HkkDrkvks ds [kjhnkjh dh ekufi drk , oa mudks i Hkkfor djus okys dkj dks dh 0; k[; k mi yC/k l kfgR; ka , oa fo'k; fo'kks'kka dh jk; ds vk/kkj ij dh gA

jfo izdk'k 'k'pyk , oa c'tsk d'ekj mik/; k; us l a p' 'kks'k i = ea cukeh l a rRr t' s ToyUr fo'k; dk l kjxfHkr v/; ; u iLr'q fd; s gA

bl izdkj ; g vad 31 euhf'k; ka ds vonku l s vyad'r gA bl l kjLor dk; Z dh l EiUurk dh ikou {k.kka ea ryl hi hBk/kh'oj l LFkki d , oa thoui ; Ur d'gkf/ki fr /ke'p'ØorhZ ine foHk'k.k fo|kokpli fr i jei' ; txn'x# jkekuUnkpk; Z Lokeh jkeHknkpk; Z th ds pj. kke'qt ks ea /ku; okn Lo: lk ueukatfy vH; fi'r djrk gA bl fo'ofok'ky; dh ifj d'Yi uk l LFkki uk , oa l'pkyu ea ftudh egh; l h Hk'fedk jgh g' , d h ekuuh; k MKW xhrk noh 1/2 ds ifr /ku; okn ds 'kCn Lo; a 0; Dr gks mBrs gA fo'ofok'ky; ds fo'ok'u- d'yi fr] dfo , oa yC/ki fr" B l eh{k d tkx: d izkkl d ik' ; kx'sk plnz n'ps ds ifr /ku; okn Kkfi'r djrk gA ifl ) l ekt'kkL=h , oa d'ky izkkl d fo'ofok' ds ; 'kLoh d'yl fpo ik' f'xj tk izl kn n'ps fo'ofok'ky; dh vkf'Fkd fl'Fkr dks n'<rk inku djus okys euh"kh ekuuh; foRr vf/kdkjh Jh jeki fr feJ] iz[; kr f'k{k'kkL=h , oa l q kx; izkkl d ik' f'kojkt fl'g l xj vkfn fo'ofok'ky; ds d.kz/kjks ds ifr cgq k% /ku; oknA l eku'k'kr ds l Eiknd MKW eglnz d'ekj mik/; k; ] l a p' l Eiknd Jh fugkj jatu feJ , oa Jh foukn d'ekj feJ] l gl Eiknd MKW l at; d'ekj uk; d rFkk l Eiknd e.My ds l nL; x.k ds ifr Hk'j'k% /ku; okn fo|k'frr gA if=dk ds vHkh"V o.k&l a kstu grq Jh xk'jo JhokLro ds ifr LofLr fefJr l k/k'pknA iLr'q vad ftu eku; foe'kz khy ys[kdka ds vkys[k izdkf'kr gA rFkk 'kks'ki f=dk dh fu"iUurk ea ftudk fdl h Hkh : lk ea l g; kx izl r g'qk g' mu l Hkh vkReh; tuka ds ifr /ku; okn Kkfi'r djuk eS viuk drD; l e>rk gA

vr ea l eku'k'kr ds ek/; e l s vHkh"V Kku&foKku dh vf'ofPNuu /kkjk l eRo l s l eyad'r ekuork dks i'V inku djrh jg] bl h Hkkouk l s Hkkfor v/kLruh NKUnl h vfHk0; fDr ds l kFk vku'k'fxd dF; dks foJk'fUr inku djrk gA

ykd}; kHkh"VQyi z' r' %  
l kstU; eUnkj yrkfoHk'kr %A  
Hk'w kn' ks'kkæfoHk'kr'krkukj  
fn0; kxotn'skq l eku'k'kr %AA

i k' dkerki z' knf=i kBh 1/2 h; wk 1/2



# SAM NUBH TI

International Journal Samanubhuti is an official journal of Jagadguru Rambhadracharya Handicapped University, the only university in India catering for the means of education of the persons with disability. The Journal is an international peer-reviewed, provides an excellent academic and professional forum to which the contributors around the world are invited to share their researches, views, book reviews, research articles and last not the least experiences in all the areas of humanities, sciences, IT and business administration for publication. Authors are requested to send their manuscript typed double space in MS- Word 2007 in Times New Roman Fonts for English and Kruti dev 10 Fonts for Hindi to [samanubhutijrhu@gmail.com](mailto:samanubhutijrhu@gmail.com) along with two hard copies, should be sent to the Editor, Samanubhuti, J.R.H.University, Chitrakoot, Uttar Pradesh, India-210204.

## **Guidelines for paper submission**

The first page of the paper should include the title of the paper/article/book review, the Name of the **author(s), institutional affiliation, email address(es)**.

**Title:** Times New Roman, 14 pt, centered. **Name of the Author(s):** Times New Roman, 12 pt., centered, below the title. **Author(s) affiliation, email address(es):** Times New Roman, 10 pt, italic. **Abstract:** Abstracts should not be more than 300 words summarizing the main argument and finding(s) in the paper Times New Roman, 10 pt **Keywords:** Times New Roman 12 pt., maximum 6 keywords. Paper should be between 2000 to 3000 words in length. The pages of the manuscript should be numbered in consecutive sequence. **Page numbering:** Position right, Times New Roman, 12 pt. All paper must be typed in Microsoft Word 2007 Subtitles (sub headings) use Time New Roman , 12 pt., bold , left . Main text font Times New Roman, 12 pt should be single spaced and have 1 inch margins both sides. **Tables & Figures:** Number tables/ figures should be consecutively as they appear in the text. Do not split tables/figures across two pages. If there is not enough space at the bottom of a page, continue your text and place the table at the top of the next page. Each table/figure must have a lable (titile) beginning with the table number and describing the contents. **APA style** of referencing should be used.

## Subscription Form

‘SAMANUBHUTI’ is an international peer reviewed research journal of JRH  
University’ chitrakoot, U.P India.

Serial No.....

Subscription No.....

Please accept my subscription for the ‘Samanubhuti’ bi-lingual, biannual  
international peer reviewed research Journal from ..... to .....

Subscription Rates

| Group                                   | India       | Outside India |
|---|-------------|---------------|
| Institutions/Corporates                 | Rs. 800.00  | 20 US Dollar  |
| Individuals/Academicians                | Rs. 500.00  | 17 US Dollar  |
| Research Scholars & Retired<br>Teachers | Rs. 400.00  | 14 US Dollar  |
| Life Membership (For 5 years)           |             |               |
| (a) Individuals                         | Rs. 4000.00 | 140 US Dollar |
| (b) Institution                         | Rs. 5000.00 | 170 US Dollar |

Name.....

Address.....

.....

.....

City/State..... Pin Code.....

Country..... Phone No (Land line).....

PhoneNo (Mobile)..... Fax.....

Email.....

I herewith enclose the payment of Rs/US Dollar in favour of finance Officer,  
J.R.Handicapped University, Chitrakoot, payable at Chitrakoot by demand Draft  
No.....dated.....

Please send the above subscription form carefully filled in and duly signed  
with demand draft or cash to be deposited in the university counter  
in the name of samanubhuti at the given address of university.

Date .....

Signature .....

To

The Editor

“Samanubhuti”

’ International Peer Reviewed Research Journal

J.R. Handicapped University

Chitrakoot -210204 India

Email: samanubhutijrhu@gmail.com

**ABOUT THE UNIVERSITY**

The strength of the Nation lies in its diversified human resource, Jagadguru Swami Rambhadracharya Ji believes that every human being is valued resource and should be provided enriched and valued opportunities so as to build required capacities and skills. **Thus this first University of its kind was established in the year 2001 at Chitrakoot, UP, India by Jagadguru Rambhadracharya Ji, to provide higher education and proper rehabilitation to persons with disabilities.** Though, there are various institutions and organizations to cater some of the needs of disabled persons, but the activities of such institutions/organizations were found to be very limited. Swami Rambhadracharya Ji, who himself is a Visually Challenged person, came forward with missionary zeal and opened the gate of opportunities for the disabled youth. The U.P Govt. has appointed him as life-long Chancellor of the University. Prof. Yogesh Chandra Dubey is the present Vice-Chancellor of the University.

The University has given a platform to differently abled for getting education in their desired field at U.G and P.G level like Arts, Social Science, Social Work, Music, Fine Arts, Computer Science, Education, Teacher Education Programmes (B.Ed, B.Ed (Special) - Visual Impairment & Hearing Impairment) M.Ed, M.A in Education, Disability studies, Rehabilitation Science Prosthetics & Orthotics, Audiology and so many job oriented courses. In short span of 16 years the University has transformed the lives of disabled persons and enabled them to share the responsibility of Nation building. Simultaneously, the outreach programmes of the University under the umbrella of Centre for Rehabilitation & Development have benefitted the rural population especially the persons with disabilities. These programmes include awareness, early intervention, health care, Training & Employment and lastly their rehabilitation. Now, more than 1500 persons with disabilities have got placement in various fields.

I ekufkfrkUuuu I oHknfooftz%A

i ' ; u~cPee; a l oā l q[ka cu/kkr~iæP; rAA

&txnx# Jh jkeHknkpk; %

सभी प्रकार के भेदों से रहित

समानुभूति से युक्त मनुष्य

(सर्वत्र) सब को ब्रह्ममय

देखता हुआ, सुखपूर्वक

बन्धन से मुक्त हो जाता है।

Kkua Js %i na l oā ' kks/k; KkRi zdk' krA

vrks foKj uqB\$ ks ; Kks ; a fo' oHkur ; AA



